
आलस्य और अलबेलापन - 69

➤➤ आलस्य और अलबेलेपन सीरिज की मुख्य बातें या रीविजन

- _ ➤➤ व्यर्थ के खाते को समाप्त करने के लिए अटेंशन हो...
- _ ➤➤ उमंग उत्साह हो तो सुस्ती, अलबेलापन भाग जाते है...
- _ ➤➤ अमृतवेले पिकनिक मनाओ...
- _ ➤➤ → अलग अलग जगह जाकर योग करो...
- _ ➤➤ दुसरो को नहीं देखना....
- _ ➤➤ → देखना ही है तो विशेषता को देखो...
- _ ➤➤ कोई कुए में गिरता है आप भी गिर कर देखोगे तो क्या यह समझदारी है...
- _ ➤➤ दूसरों के अलबेलेपन का आप पर प्रभाव न हो,
- _ ➤➤ → आपकी दृढ़ता का प्रभाव दूसरोंपर हो...
- _ ➤➤ स्व चिन्तन का भी नियम बनाना है...
- _ ➤➤ दूसरों को देखकर बच्चे अलबेले हो जाते हैं...
- _ ➤➤ → इसलिए दूसरोंको नहीं देखना है...
- _ ➤➤ 7 बातें छोडनी हैं
- _ ➤➤ → 5 विकार
- _ ➤➤ → आलस्य
- _ ➤➤ → देह
- _ ➤➤ 7 बातें धारण करनी हैं...
- _ ➤➤ → स्व धर्म
- _ ➤➤ → स्व लोक
- _ ➤➤ → स्व देश
- _ ➤➤ → सुकर्म
- _ ➤➤ → स्व लक्ष्य
- _ ➤➤ → स्व लक्षण
- _ ➤➤ → स्व दर्शन चक्रधारी
- _ ➤➤ 3 मिनट का रिकोर्ड भरने में कितना ध्यान रखते हैं...
- _ ➤➤ → आप कितने जन्मों का रेकोर्ड भर रहे हैं... तो कितना ध्यान रखना है...
- _ ➤➤ कोई चीज भरपूर हो तो छलकती नहीं है... डबल लोक लगाओ बीजी रहो तो आलस्य नहीं होगा...
- _ ➤➤ कभी कभी शब्द को खत्म कर अभी करो...
- _ ➤➤ उमंग उत्साह हमारे जीवन में हो...

»_ » स्वयम को बहुत समझदार समझने से भी अलबेलापन आ जाता है...

→ सदा सीखने की भावना हो...

»_ » अपने को शो केस में समझो...

»_ » आपके संस्कारों का प्रभाव आपके भक्तों, प्रजा पर पड़ता है... इस बात का अटेंशन रखो तो अलबेले नहीं होंगे...

»_ » हमें सेम्पल बनाना है..

»_ » संगठन में फायदे भी हैं तो नुकसान भी है...

→ इसलिए संगठन में ध्यान रखना है...

»_ » आलस्य अलबेलेपन का अंश और वंश भी खत्म करना है...

→ इससे मुक्त होने के लिए खुद का चेकर बनना है...

»_ » जहाँ प्राप्ति है वहाँ एलर्ट होते हैं...

→ जैसे बिजनेस में प्राप्ति है तो एलर्ट रहते हैं तो सदा प्राप्तिर्यों को इमरज रखना है...

»_ » सेना एलर्ट होती, आप भी पांडव सेना हो...

»_ » बार बार अटेंशन की आदत दाल दो...

»_ » मशीन का एक भी स्कू ढीला हो तो ठीक काम नहीं करती...

→ अलबेले होंगे तो पुरुषार्थ भी ढीला हो जायेगा...

»_ » अपने को आधार मूर्त समझाना है...

»_ » मास्टर रचयिता का नशा बढाना है...

»_ » बेहद का वैरागी बनना है...

»_ » संकल्पों की चेकिंग करनी है... अटेंशन देना है...

»_ » योद्धा को २ बातों युद्ध और विजय की स्मृति होती है..

→ आपको भी योद्धापन की वृत्ति हो और विजयीपन की स्मृति हो...

»_ » अपने को रूहानी गुलाब समझो...

»_ » सदा लक्ष्य को सामने रखना है...

→ हमें संपन्न बनना है...

»_ » गे गे भाषा खत्म करनी है...

»_ » बाप के सम्मुख रहना है...

»_ » सागर के बच्चों के सामने दुःख की लहर नहीं आनी चाहिए...

»_ » आलस्य अलबेलेपन के खेल को अब समाप्त करो...

→ नहीं तो संगम के सुख नहीं पा सकेंगे...

»_ » अपनी अवस्था को मजबूत बनाने का इंतजाम किया है या इंतज़ार कर रहे है... ये चेक करना है...

»_ » जो बच्चे बार बार अटेंशन देंगे उनका टेंशन खत्म हो जायेगा...

»_» मनन शक्ति को बढ़ाना है...

»_» ब्रह्मा बाप समान अथक बनना है...

→ थकना चन्द्र वंशियों की निशानी है...

»_» जहाँ जिम्मेदारी होगी कि हम विश्व कल्याण के लिए जिम्मेवार है....

→ ये स्मृति होगी तो अलबेले नहीं होंगे...

»_» दृढ़ता की गिफ्ट संगम की सबसे बड़ी गिफ्ट है...

»_» प्राप्तियों के, अनुभूतियों के सागर में समाये रहो...

»_» भक्त डर के कारण अलबेले नहीं होते...

→ तो धर्मराज पूरी की सजाओं को सामने रखना है...

»_» मुरली के पॉइंट्स लिखेंगे तो हाथ से किये हुए विकर्म खत्म हो जायेंगे...

»_» हमारे त्याग से दूसरों का भाग्य बनना है..

→ कही ऐसा न हो कि हमारे त्याग की कमी से दूसरों के भाग्य में कमी आ जाये... इतना अटेंशन रखना है...
